मन चल रे गुरु के धाम

मन चल रे गुरु के धाम हरी हरी गायेगे ॥
गाएँगे गवाएंगे नाचेंगे नचाएगे झूमेंगे झुमाएगे
मन चल रे गुरु के.....

भव बन्धन से मोह हटाले गुरु चरणों से ध्यान लगा ले ॥
तेरे बन जायेगे बिगड़े काम हरी हरी गायेगे ॥
मन चल रे गुरु के.....

गुरु जी तेरे रब से मिलाऐ ब्रह्म ज्ञान करते करवाये ॥
ना रिस्वत लगेगी ना धाम हरी हरी गायेगे ॥
मन चल रे गुरु के.....

गुरु से ज्ञान आज्ञान से मुक्ति.बतलाते सदगुरु जी बुद्धि ॥
लगे आवागवन से विराम हरी हरी गायेगे ॥
मन चल रे गुरु के.....

अन्धकार गुरु प्रकाश है. मन बुद्धि में परिभासा है ॥
है सर्वपरी ये नाम हरी हरी गायेगे,
मन चल रे गुरु के धाम हरी हरी गायेगे,

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/3940/title/man-chal-re-guru-ke-dham-hari-hari-gayege

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |